

बेंगलुरु: भारत की 'सिलिकॉन वैली' और 'गार्डन सिटी'

पृष्ठ 1: एक परिचय और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (An Introduction and Historical Background)

Bengaluru, जिसे आधिकारिक तौर पर बेंगलुरु के नाम से जाना जाता है, भारत के कर्नाटक राज्य की राजधानी है। यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा शहर और पांचवां सबसे बड़ा महानगरीय क्षेत्र है। अपनी सुखद जलवायु, हरे-भरे परिदृश्य और तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कारण इसे अक्सर "भारत की सिलिकॉन वैली" (**India's Silicon Valley**) और "गार्डन सिटी" (**Garden City**) के रूप में जाना जाता है। समुद्र तल से लगभग 900 मीटर (3,000 फीट) की ऊंचाई पर दक्कन पठार पर स्थित यह शहर पूरे साल सुहावने मौसम के लिए जाना जाता है, जो इसे निवास के लिए एक लोकप्रिय स्थान बनाता है।

बेंगलुरु का इतिहास काफी समृद्ध और पुराना है। पुराणों में इस स्थान को "कल्याणपुरी" या "कल्याण नगर" के नाम से जाना जाता था। 1004 ईस्वी तक यह गंग राजवंश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। "बेंगा-वलोरु" (**Benga-valooru**) नामक एक शिलालेख, जिसका अर्थ प्राचीन कन्नड़ में "रखवालों का नगर" होता है, बेगुर के पास मिला है, जो इसके प्राचीन अस्तित्व का प्रमाण है। 1015 से 1116 तक चोल शासकों ने यहां राज किया, जिसके बाद इसकी सत्ता होयसल राजवंश के हाथ चली गई।

आधुनिक बेंगलुरु की नींव 1537 में विजयनगर साम्राज्य के सामंत केम्पेगौड़ा प्रथम ने रखी थी। उन्होंने इस क्षेत्र में एक किले का निर्माण किया, जिसे आज बेंगलुरु शहर की नींव माना जाता है। समय के साथ यह क्षेत्र मराठों, अंग्रेजों और अंत में मैसूर के राज्य का हिस्सा बना। ब्रिटिश शासनकाल में, 1831 में मैसूर की राजधानी मैसूर शहर से बदलकर बेंगलुरु कर दी गई। 1949 में बेंगलुरु छावनी और बेंगलुरु नगर, जो अलग-अलग इकाइयों के रूप में विकसित हुए थे, का विलय करके नगरपालिका का पुनर्गठन किया गया। भारत की आजादी के बाद, 1956 में नवगठित कर्नाटक राज्य की राजधानी बेंगलुरु बन गया। 2006 में बेंगलोर का नाम बदलकर आधिकारिक तौर पर बेंगलुरु कर दिया गया, जिससे यह अपनी जड़ों से और जुड़ गया।

बेंगलुरु ने सदियों से कई साम्राज्यों और शासकों का उत्थान और पतन देखा है, जिनमें टीपू सुल्तान और हैदर अली जैसे शासक भी शामिल हैं। इन ऐतिहासिक परतों ने शहर की संस्कृति और वास्तुकला को आकार दिया है, जो आज भी इसकी सड़कों और स्मारकों में परिलक्षित होती है। यह शहर न केवल अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक संगम का बिंदु भी है, जहां कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाओं के लोग एक साथ रहते हैं।

पृष्ठ 2: आर्थिक विकास और आधुनिक पहचान (Economic Growth and Modern Identity)

बेंगलुरु का आधुनिक विकास मुख्य रूप से प्रौद्योगिकी और नवाचार पर केंद्रित है, जिसने इसे वैश्विक मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाया है। 1970 के दशक की शुरुआत में, कर्नाटक राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक आर. के. बलीगा ने एक इलेक्ट्रॉनिक शहर (**Electronic City**) विकसित करने का प्रस्ताव रखा, जिसने शहर के तकनीकी उत्थान की नींव रखी। आज, बेंगलुरु

को "भारत की आईटी राजधानी" (**India's IT Capital**) या "सिलिकॉन वैली" के रूप में जाना जाता है, जो देश के प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (IT) निर्यातक के रूप में इसकी भूमिका को दर्शाता है।

शहर में इन्फोसिस, विप्रो, टीसीएस, और कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों सहित अनगिनत आईटी कंपनियों के मुख्यालय और विकास केंद्र स्थित हैं। यह स्टार्टअप्स (**Startups**) के लिए एक उर्वर भूमि भी है, जहां हर साल बड़ी संख्या में नए उद्यम शुरू होते हैं। फ्लिपकार्ट, बायजूस, मित्रा और बिगबास्केट जैसी कई सफल भारतीय कंपनियों की शुरुआत बेंगलुरु से हुई है। जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी बेंगलुरु अग्रणी है, भारत की लगभग 50% जैव प्रौद्योगिकी कंपनियां यहीं स्थित हैं।

इस तीव्र आर्थिक विकास ने बेंगलुरु को भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे महानगरों में से एक बना दिया है। इसका अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (**GDP**) लगभग 83 बिलियन डॉलर है, जो इसे भारत का चौथा सबसे बड़ा शहर बनाता है। यह आर्थिक उछाल रोजगार के विशाल अवसर पैदा करता है, यही वजह है कि भारत के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां आकर बसते हैं। एक अनुमान के अनुसार, बेंगलुरु की 51% से अधिक आबादी भारत के अन्य राज्यों से आकर बसी है, जो इसे एक जीवंत और विविध संस्कृति वाला शहर बनाती है।

हालांकि, इस तीव्र शहरीकरण और विकास के साथ चुनौतियां भी आई हैं। बेंगलुरु को प्रदूषण, यातायात की भीड़ और जल आपूर्ति जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। फिर भी, शहर लगातार अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रहा है, जिसमें नम्मा मेट्रो (**Namma Metro**) जैसी रैपिड रेल परियोजनाएं शामिल हैं, जो यातायात की समस्या को कम करने में मदद कर रही हैं। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (**Kempegowda International Airport**) भारत के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है, जो शहर को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ता है।

बेंगलुरु सिर्फ आईटी का केंद्र नहीं है, बल्कि शिक्षा का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र है। भारतीय विज्ञान संस्थान (**IISc**), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (**IIT**) और राष्ट्रीय विज्ञान संस्थान (**NISER**) जैसे विश्व प्रसिद्ध संस्थान यहां स्थित हैं, जो शोध, तकनीकी और विज्ञान शिक्षा में अग्रणी हैं। ये संस्थान उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करते हैं और छात्रों के लिए अवसरों के नए द्वार खोलते हैं।

पृष्ठ 3: जीवन शैली और पर्यटन (**Lifestyle and Tourism**)

बेंगलुरु में जीवन शैली आधुनिकता और परंपरा का एक अनूठा मिश्रण है। शहर की सुखद जलवायु और हरे-भरे स्थान इसे एक आरामदायक निवास स्थान बनाते हैं। बेंगलुरु को "गार्डन सिटी" भी कहा जाता है, जिसके कई सुंदर उद्यान और पार्क हैं। लालबाग बोटैनिकल गार्डन (**Lalbagh Botanical Garden**) और कब्बन पार्क (**Cubbon Park**) इसके प्रमुख उदाहरण हैं, जो प्रकृति प्रेमियों के लिए शांति और सुंदरता प्रदान करते हैं। लालबाग में दुर्लभ पौधों और फूलों का एक विशाल संग्रह है, जबकि कब्बन पार्क अपनी चौड़ी गलियों और हरियाली के लिए प्रसिद्ध है।

शहर की नाइटलाइफ (**Nightlife**) भी काफी जीवंत है, जिसमें बड़ी संख्या में पब (**Pubs**), क्लब और रेस्टोरेंट हैं। बेंगलुरु में भारत में सबसे अधिक बीयर बार और पब हैं, जो इसे युवाओं और कामकाजी पेशवरों के बीच एक लोकप्रिय गंतव्य बनाते हैं। खाने के शौकीनों के लिए भी बेंगलुरु स्वर्ग है, जहां

स्थानीय कर्नाटक व्यंजनों से लेकर अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों तक, हर तरह के स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध हैं। यहां अयंकर बेकरी और उडुपी होटल जैसे प्रसिद्ध स्थानीय प्रतिष्ठान भी हैं।

पर्यटन के दृष्टिकोण से, बेंगलुरु और इसके आसपास कई आकर्षक स्थल हैं। बेंगलुरु पैलेस (**Bengaluru Palace**), एक भव्य शाही महल, शहर की ऐतिहासिक विरासत को दर्शाता है। इसकी विक्टोरियन और नियो-गॉथिक वास्तुकला पर्यटकों को आकर्षित करती है। टीपू सुल्तान का ग्रीष्मकालीन महल (**Tipu Sultan's Summer Palace**) भी एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है। इस्कॉन मंदिर (**ISKCON Temple**) एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जो अपनी भव्यता के लिए जाना जाता है।

शहर के बाहर, नंदी हिल्स (**Nandi Hills**) एक लोकप्रिय सप्ताहांत गंतव्य है, जो अपनी सुंदर पहाड़ियों और ट्रेकिंग के अवसरों के लिए प्रसिद्ध है। बन्नरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (**Bannerghatta National Park**) वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थान है, जहां जंगल सफारी और तितली पार्क का आनंद लिया जा सकता है। मैसूर, हम्पी, और चिकमंगलूर जैसे ऐतिहासिक और प्राकृतिक रूप से समृद्ध स्थान भी बेंगलुरु से आसानी से पहुंच योग्य हैं, जो कर्नाटक की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता को दर्शाते हैं।

बेंगलुरु में रहने की लागत, विशेष रूप से किराए और दैनिक खर्च, भारत के अन्य शहरों की तुलना में अधिक हो सकती है, लेकिन यहां अवसरों की प्रचुरता इसे आकर्षक बनाती है। यह शहर सभी के लिए कुछ न कुछ प्रदान करता है – चाहे वह संस्कृति के दीवाने हों, शॉपिंग (**Shopping**) के शौकीन हों या आधुनिक जीवन शैली का अनुभव करना चाहते हों। अपनी अनूठी पहचान, आर्थिक शक्ति और जीवंत संस्कृति के साथ, बेंगलुरु भारत के सबसे गतिशील और महत्वपूर्ण शहरों में से एक बना हुआ है।